NEWSLETTER

शनिवार, 16 मार्च 2024 | वॉल्यूम - 89

Interview | Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News

सकारात्मक अनुमान सीसीपीसी ने भारतीय कपास उद्योग में वृद्धि का अनुमान लगाया है

GOLD : 65545
SILVER : 75670
CRUDE OIL : 6730

रुई के वर्त्तमान परिद्रश्य में कपड़ा मिल्स की स्थिति।

श्री जॉय गोजरिया जी

कपड़ा उद्योग में कपास मिलें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो कपड़ों, घरेलू वस्त्रों, औद्योगिक वस्त्रों और अन्य में उपयोग किए जाने वाले कपास-आधारित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का उत्पादन करती हैं।

कपडा उत्पादन में कॉटन यार्न का उपयोग महत्त्व पूर्ण है। कॉटन यार्न बनाने का काम मिल्स में होता है। मिल्स की कुछ जानकारी के लिए हमने **गुजरात राज्य** के **अमरेली** क्षेत्र के **फेदर्स स्पिनटेक्स मिल** के **प्रबंध निदेशक श्री जॉय गोजरिया** जी से बातचीत की। वर्ष 2014 में उनके मिल की स्थापना हुई थी। उनकी मिल में 100 % कॉटन यार्न ही बनता है। सारा कॉटन यार्न निर्यात होता है और महीने की 3000 गठान की खपत होती है। कॉटन यार्न बनाने के लिए सारा कपास गुजरात से पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है। आगे वह बताते है की इस साल कॉटन यार्न की डिमांड बाहरी देशो में कम है और डिमांड कम होने से यार्न के जो भाव मिलने चाहिए वह नहीं मिल रहे, उनके मुताबिक कॉटन यार्न के भाव अच्छे मिलेंगे तो कपड़ा उद्योग का भविष्य अच्छा रहेगा। आगे उन्होंने बताया की 32mm के ऊपर जो इम्पोट ड्यूटी हटाई गई है उससे 98 % मिलो को कोई फायदा नहीं है, क्योंकी 2% की मिल्स ही 60 और 70 काउंट का यार्न बनाने वाले ही इसका उपयोग करते है । वर्त्तमान में कपास आवक कम होने का कारण बताया की भाव बढ़ाना इस लालच में किसान से गत 15 दिन से सीमित मात्रा में बिक्री कर रहे है।

MSME में 45 दिन का पेमेंट कंडीशन से जो व्यापारी व्यापर करते है उनको उसमे कोई फायदा नहीं है ऐसा उन्होंने बताया। कॉटन भविष्य के लिए बताते है की सरकार ने जो 32 mm इम्पोर्ट ड्यूटी हटाई वह सारे कॉटन क़्वालिटी पर हटानी चाहिए जिससे कॉटन यार्न बनाने के लिए कॉटन आयात को भी बढ़ावा मिलेगा।

कपास के आयात से जुड़े लाभ आयात करने वाले देश की विशिष्ट नीतियों और अन्य देशों के साथ उसके किसी भी व्यापार समझौते या व्यवस्था के आधार पर भिन्न हो सकते हैं। यहां कुछ संभावित लाभ दिए गए हैं जो कपास के आयातकों को मिल सकते हैं:

वरीयता योजनाएँ: कुछ देश तरजीही व्यापार समझौतों या योजनाओं के तहत विशिष्ट देशों या क्षेत्रों से कपास आयात के लिए तरजीही टैरिफ दरों की पेशकश करते हैं। इन प्राथमिकताओं का उद्देश्य भाग लेने वाले देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है।

शुल्क वापसी: आयातक शुल्क वापसी योजनाओं के लिए पात्र हो सकते हैं, जहां वे आयातित कपास पर भुगतान किए गए सीमा शुल्क की वापसी का दावा कर सकते हैं जिसका उपयोग बाद में निर्यात के लिए लक्षित वस्तुओं के उत्पादन में किया जाता है। इससे मूल्यवर्धित प्रसंस्करण और निर्यातोन्मुख विनिर्माण को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

कोटा छूट: कुछ मामलों में, आयातित कपास को आयात कोटा से छूट दी जा सकती है या कोटा कम किया जा सकता है, जिससे आयातकों को प्रतिबंधों का सामना किए बिना बड़ी मात्रा में कपास लाने की अनुमति मिलती है।

विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड): कुछ देश एसईजेड स्थापित करते हैं जहां कपास समेत आयातित कच्चे माल को निवेश आकर्षित करने और विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कम सीमा शुल्क या कर प्रोत्साहन जैसे अधिमान्य उपचार के अधीन किया जा सकता है।

अस्थायी आयात: आयातकों को अस्थायी आयात योजनाओं से लाभ हो सकता है जो उन्हें सीमा शुल्क का भुगतान किए बिना या कम शुल्क दरों के साथ प्रसंस्करण या विनिर्माण जैसे विशिष्ट उद्देश्यों के लिए कपास लाने की अनुमति देती है। इससे मूल्यवर्धित उत्पादन और निर्यातोन्मुख गतिविधियों को सुविधा मिलती है।

सीमा शुल्क में छूट: कुछ प्रकार के कपास के आयात, जैसे कि जैविक कपास या स्वास्थ्य सेवा या अनुसंधान जैसे विशिष्ट उद्योगों के लिए उपयोग किए जाने वाले कपास को टिकाऊ प्रथाओं या विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए सीमा शुल्क से छूट दी जा सकती है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY CHART 16.03.2024

ICE COTTON			
MONTH	08.03.24	15.03.24	WEEKLY CHANGE
MAY	95.28	93.94	-1.34
JULY	93.92	93.59	-0.33
DEC	82.99	83.68	0.69
MCX (COTTON)			
MAR	62600	61400	-1200
MAY	64520	63680	-840
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1647.5	1589	-58.5
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAR	2676	2609	-67
APRIL	2712	2657	-55
MAY	2750	2690	-60
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.78	82.88	0.1
PAK (Pakistani Rupee)	279.261	278.908	-0.353
CNY (Chinese yuan)	7.18548	7.19537	0.00989
BRAZIL (Real)	4.98034	4.99643	0.01609
AUSTRALIAN Dollar	1.50941	1.52372	0.01431
MALAYSIAN RINGGITS	4.68504	4.7044	0.01936
COTLOOK "A" INDEX	101.95	98.45	-3.5
BRAZIL COTTON INDEX	85.05	84.33	-0.72
USDA SPOT RATE	89.74	88.33	-1.41
MCX SPOT RATE	61060	61580	520.00
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	22000	21500	-500
GOLD ($)	2186.20	2159.40	-26.8
SILVER ($)	24.525	25.402	0.877
CRUDE ($)	77.85	81.00	3.15

इंटरनेशनल कॉटन मार्केट में दिखी स्थिरता

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के मई 24 एवं जुलाई 24 के लिए कॉटन के भाव 1.34 एवं 0.33 सेंट तक गिरे, जबकि दिसंबर 24 माह के लिए कॉटन के भाव 0.69 सेंट तक बढ़े।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में मार्च और मई माह के लिए क्रमशः 1200 और 840 रुपऐ की गिरावट देखी गई।

एनसीडीइएक्स पर कपास के भाव 58.5 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वहीं खल के भाव में मार्च, अप्रैल और मई माह में क्रमशः 67,55 और 60 रुपए तक की गिरावट दर्ज की गई |

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट देखी गई , यूएसडीए स्पॉट रेट भी 1.41 सेंट गिरे जबकि एमसीएक्स स्पॉट 520 रुपए बढे, वही ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 0.72 अंक की गिरावट दर्ज की गई है।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	11.03.24	12.03.24	13.03.24	14.03.24	15.03.24	16.03.24
PUNJAB	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000
HARYANA	3,500	3,500	3,500	3,500	3,500	3,500
UPPER RAJASTHAN	2,500	2,000	1,500	1,500	1,500	1,500
LOWER RAJASTHAN	2,100	2,100	2,100	2,100	2,100	2,100
NORTH ZONE	9,100	8,600	8,100	8,100	8,100	8,100
GUJRAT	24,000	24,000	22,000	23,000	22,000	22,000
MADHYA PRADESH	6,000	5,000	5,000	5,000	5,000	5,000
MAHARASHTRA	23,000	25,000	25,000	28,000	32,000	30,000
CENTRAL ZONE	53,000	54,000	52,000	56,000	59,000	57,000
KARNATAKA	4,000	5,000	5,000	5,000	5,000	5,000
ANDHRA PRADESH	2,500	2,500	2,200	2,000	2,000	2,000
TELANGANA	2,500	2,500	2,500	2,000	2,000	2,000
TAMILNADU	500	400	500	300	200	100
SOUTH ZONE	9,500	10,400	10,200	9,300	9,200	9,100
ODISHA	200	200	200	200	200	200
TOTAL	71,800	73,200	70,500	73,600	76,500	74,400
ARRIVAL IN 170 Kg.						

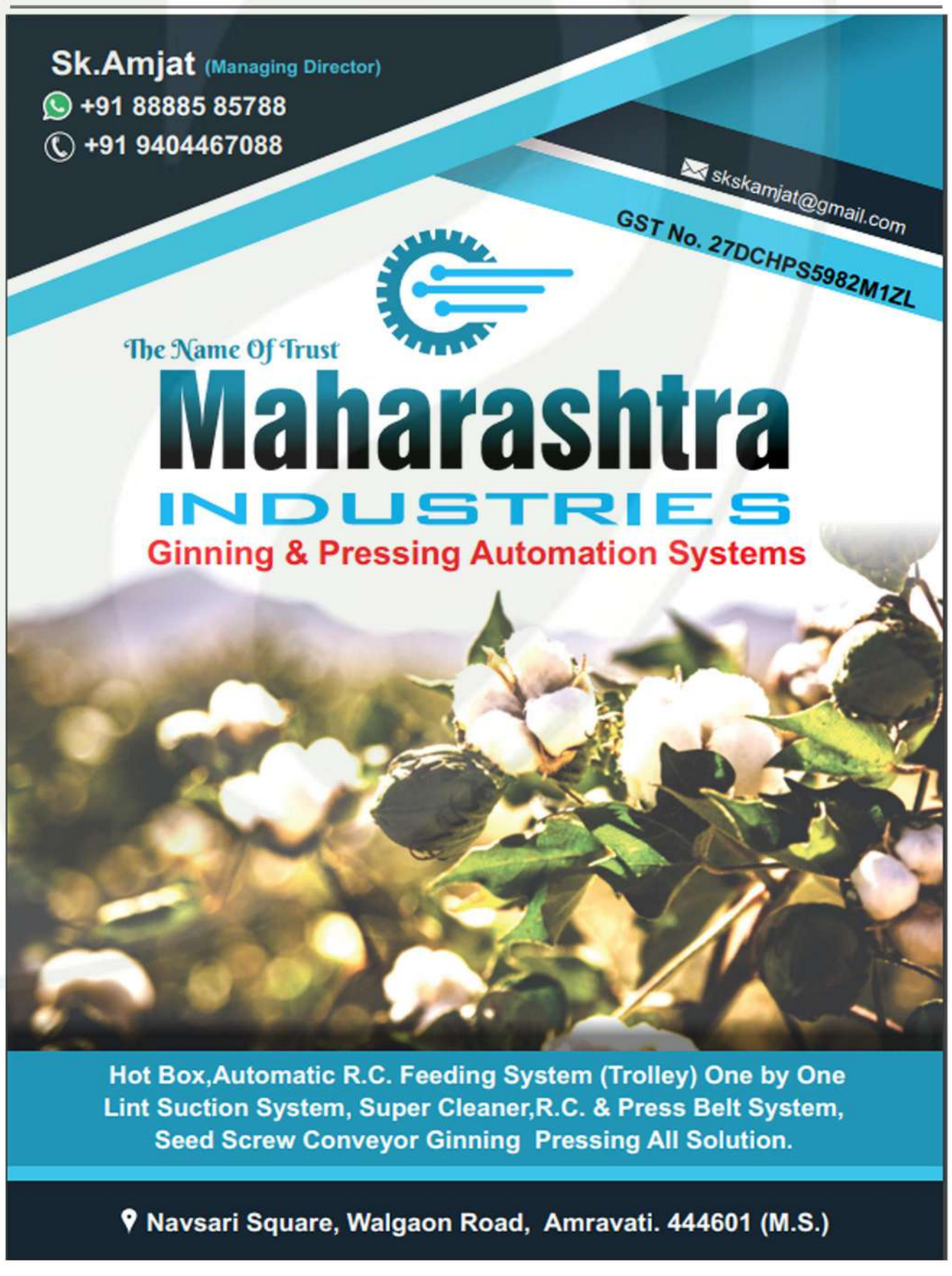

सकारात्मक अनुमान सीसीपीसी ने भारतीय कपास उद्योग में वृद्धि का अनुमान लगाया है

कपास उत्पादन और उपभोग समिति (सीसीपीसी), एक सरकारी निकाय जिसमें किसानों सहित कपड़ा उद्योग के विभिन्न हितधारक शामिल हैं, ने हाल ही में चालू सीजन (अक्टूबर 2023-सितंबर 2024) के लिए कपास उत्पादन, निर्यात और खपत में सकारात्मक रुझान का संकेत देने वाले अनुमान जारी किए हैं। भारत में यहां समाचार के मुख्य बिंदुओं का सारांश दिया गया है

उच्च फसल अनुमान सीसीपीसी ने चालू सीजन के लिए कपास उत्पादन का अनुमान बढ़ाकर 323.11 लाख गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) कर दिया है, जबकि पहले का अनुमान 316.57 लाख गांठ था। यह कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुरूप है।

पिछले सीज़न के लिए उत्पादन कम किया गया इसके विपरीत, CCPC ने पिछले सीज़न के उत्पादन का अनुमान घटाकर 336.60 लाख गांठ कर दिया है, जो पहले के अनुमान 343.47 लाख गांठ से कम है।

बढ़ा आयात समिति ने चालू सीजन के लिए आयात का अनुमान बढ़ाकर 14.6 लाख गांठ कर दिया है, जबकि पहले अनुमान 10 लाख गांठ का था। हालाँकि, चालू सीज़न के लिए आयात 12 लाख गांठ पर अपरिवर्तित है।

निर्यात और खपत अनुमान चालू सीजन के लिए निर्यात अनुमान पिछले सीजन के 15.89 लाख गांठ से बढ़ाकर 27 लाख गांठ कर दिया गया है। छोटे स्पिनरों और गैर-कपड़ा सहित, खपत 317 लाख गांठ होने का अनुमान है, जबकि पहले का अनुमान 310 लाख गांठ था।

शुरुआती स्टॉक 61.16 लाख गांठ होने का अनुमान है, जो चालू सीजन के लिए 396.27 लाख गांठ के समग्र आपूर्ति अनुमान में योगदान देता है। समिति ने कैरीओवर स्टॉक के अपने अनुमान को भी पहले के 57.65 लाख गांठ से घटाकर 52.27 लाख गांठ कर दिया है।मार्केट डायनेमिक्स इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई), न्यूयॉर्क में बढ़ती कीमतों के कारण भारतीय कपास की मांग में वृद्धि देखी गई है। घरेलू कीमतें वर्तमान में आईसीई वायदा की तुलना में छूट पर बोली जा रही हैं, जिससे भारतीय कपास बाजार में अधिक आकर्षक हो गई है।

ये अनुमान भारत में कपास उद्योग के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का संकेत देते हैं, जिसमें चालू सीजन के लिए उच्च उत्पादन, निर्यात और खपत का अनुमान है।

भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करने हेतु

सभी जिनर्स/ऑयल मिलर्स के लिए महत्वपूर्ण सूचना

यह माल के परिवहन और संबंधित बीमा के संबंध में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमें इस मामले का तत्काल समाधान करने की आवश्यकता है क्योंकि इससे हमारे परिचालन और वित्तीय स्थिरता पर असर पड़ने की संभावना है।

वर्तमान में, कई ट्रांसपोर्टर ट्रक के पासिंग वजन के आधार पर 5% ओवरलोड भर रहे हैं। उनका दावा है कि यह प्रथा क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के अनुसार स्वीकार्य है, हालांकि यह आधिकारिक तौर पर प्रलेखित नहीं है। यह स्थिति हमारे परिचालन के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है, खासकर दावे की स्थिति में।

यदि कोई दावा उठता है, तो ऐसी संभावना है कि सर्वेक्षणकर्ता अधिभार शुल्क के संबंध में दस्तावेज की कमी के कारण दावे का भुगतान करने से इंकार कर सकता है। इससे इसमें शामिल सभी पक्षों को महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान हो सकता है।

इसलिए, यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे के समाधान और अपने हितों की रक्षा के लिए सक्रिय कदम उठाएं। हम सभी जिनर्स और तेल मिलर्स को संभावित समाधान तलाशने की आवश्यकता हे।

हम मिलकर इस मुद्दे का समाधान ढूंढने की दिशा में काम कर सकते हैं और अपने निवेश और संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

विपिन अग्रवाल , जगदंबा कॉटफ़ाइबर
अध्यक्ष, विदर्भ ऑयलमिल एसोसिएशन
सलाहकार बोर्ड सदस्य, विदर्भ कॉटन एसोसिएशन
अध्यक्ष, आरवी कॉटन जिनर्स एसोसिएशन, आरवी

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

सरकार एमएसएमई प्रशिक्षुता कार्यक्रमों में सुधार पर विचार कर रही है

भारत सरकार देश भर के लाखों सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों पर विचार कर रही है। इन उपायों में प्रशिक्षुता अवधि को छह महीने से घटाकर तीन महीने करना, एमएसएमई के लिए वजीफा सब्सिडी को दोगुना कर 50% करना, प्रशिक्षुओं को काम पर रखने के लिए कर प्रोत्साहन की पेशकश करना और कर्मचारियों की कमी का सामना कर रहे एमएसएमई को जनशक्ति प्रदान करने में निजी क्षेत्र को शामिल करना शामिल हो सकता है।

चुनौतियाँ बरकरार: अनिश्चितता के बीच वैश्विक कपास की कीमतें बढ़ीं

वैश्विक कपास की कीमतें हाल ही में बढ़ी हैं, फरवरी 2024 में एक डॉलर प्रति पाउंड तक पहुंच गईं, जो पिछले महीने से 8 प्रतिशत अधिक है। 80 - 90 सेंट के बीच स्थिरता की अवधि के बाद, यह वृद्धि, कपास की कीमतों के लिए महामारी के बाद "नए सामान्य" की धारणा को चुनौती देती है।

"महाराष्ट्र राज्य कपड़ा विकास निगम (एमएसटीडीसी): भारत के कपड़ा क्षेत्र के लिए एक बढ़ावा

भारत में महाराष्ट्र राज्य अपने कपड़ा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई कपड़ा निगमों का विलय करके महाराष्ट्र राज्य कपड़ा विकास निगम (एमएसटीडीसी) नामक एक राज्य-संचालित विकास संगठन बना रहा है। इस पहल का उद्देश्य सफल महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) के समान कपड़ा उद्योग के लिए ढांचागत सहायता सेवाएं प्रदान करना है।

कपास की कीमतों में हालिया उछाल ने यार्न मिलों के सामने चुनौतियां बढ़ा दी हैं।

घरेलू और वैश्विक स्तर पर कमजोर मांग के कारण यह बढ़ी है। यह उछाल, जिससे घरेलू कपास की कीमतें केवल दो सप्ताह में 10-12% बढ़ गईं, कपड़ा उद्योग के लिए चिंता का कारण है। साउदर्न इंडिया मिल्स एसोसिएशन (एसआईएमए) ने घबराहट में खरीदारी के खिलाफ चेतावनी दी है, क्योंकि उसे डर है कि इससे कम मांग के कारण पहले से ही प्रभावित लाभ मार्जिन में और कमी आएगी।

कपास की ऊंची कीमतों के कारण तमिलनाडु के ग्रे फैब्रिक उद्योग में 50% उत्पादन रुका हुआ है

कपास की कीमतों में उछाल ने तमिलनाडु में ग्रे फैब्रिक निर्माताओं को शुक्रवार से उत्पादन में 50% तक की कटौती करने के लिए मजबूर कर दिया है। फरवरी 2024 के शुरुआती सप्ताह में, कपास की कीमतें 58,000 रुपये से 59,000 रुपये प्रति कैंडी तक थीं, जो 8 मार्च तक उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 62,000 रुपये हो गईं।

कॉटन फिजिकल मार्केट इस सप्ताह कॉटन के भाव में उतार-चढ़ाव वाला माहौल रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए तेजी-मंदी वाला रहा। नार्थ ,साउथ और सेंट्रल झोन में कही तेजी तो कही मंदी देखी गई।

नार्थ झोन में पंजाब और हरयाणा में क्रमशः 50 और 25 रुपए प्रति मंड की बढ़त देखि गई, राजस्थान में 100 रुपए प्रति मंड की गिरावट रहीं।

वही सेंट्रल झोन के मध्य प्रदेश और गुजरात राज्य में 100 रूपए की बढ़त दर्ज की गई वहीं महाराष्ट्र में 500 रूपए की गिरावट देखने को मिली।

साउथ झोन में ओडिशा राज्य में 100 रुपए प्रति खंडी भाव बढ़े। वही आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक राज्य में 500, 200 और 300 रुपए की गिरावट हुई।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 16.03.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	11.03.24		16.03.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,050	6,125	6,125	6,175	50
HARYANA	27.5/28	6,050	6,050	6,075	6,075	25
UPPER RAJASTHAN	28	5,850	6,250	5,725	6,150	-100
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	61,000	61,300	61,200	61,400	100
MADHYA PRADESH	29	61,200	61,700	61,300	61,800	100
MAHARASHTRA	29+ vid.	61,500	62,000	61,000	61,500	-500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	62,200	62,300	62,300	62,400	100
KARNATAKA	29 mm	62,000	62,500	61,500	62,000	-500
ANDHRA PRADESH	29	59,000	60,000	58,800	59,800	-200
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	62,200	62,800	62,000	62,500	-300
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

NEWSLETTER

Saturday, 16 March 2024 | Volume - 89

Interview | Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News

Positive projections CCPC projects growth in Indian cotton industry

GOLD : 65545
SILVER : 75670
CRUDE OIL : 6730

Status of textile mills in the present scenario of cotton

Mr. Joy Gojaria

Cotton mills play an important role in the textile industry, producing a wide range of cotton-based products used in clothing, home textiles, industrial textiles, and more.

The use of cotton yarn is important in textile production. The work of making cotton yarn is done in mills. To get some information about the mills, we spoke to **Mr. Joy Gojaria, Managing Director of Feathers Spintex Mill** in **Amreli region** of **Gujarat state**. His mill was established in the year 2014. Only 100% cotton yarn is made in his mill. The entire cotton yarn is exported and 3000 bales are consumed per month. All the cotton for making cotton yarn is available in sufficient quantity from Gujarat. He further explains that this year the demand for cotton yarn is less in the foreign countries and due to low demand, the prices that should be available for the yarn are not being available. According to him, if the prices of cotton yarn are good then the future of the textile industry will be good. He further told that 98% of the mills are not benefited by the removal of import duty on 32mm, because only 2% of the mills making 60 and 70 count yarn use it. The reason given for the decrease in cotton arrival at present is that due to the greed to increase the price, farmers have been selling limited quantities for the last 15 days.

He said that the traders who do business in MSME with 45 days payment condition do not have any benefit in it.

For the future of cotton, it is said that the 32 mm import duty removed by the government should be removed on all cotton qualities, which will also encourage cotton import for making cotton yarn.

The benefits associated with cotton imports may vary depending on the specific policies of the importing country and any trade agreements or arrangements it may have with other countries. Here are some of the potential benefits that cotton importers may get:

Preference schemes: Some countries offer preferential tariff rates for cotton imports from specific countries or regions under preferential trade agreements or schemes. These priorities aim to promote trade and economic cooperation between the participating countries.

Duty drawback: Importers may be eligible for duty drawback schemes, where they can claim a refund of customs duty paid on imported cotton which is later used in the production of goods intended for export. This helps in promoting value-added processing and export-oriented manufacturing.

Quota Exemption: In some cases, imported cotton may be exempted from import quotas or the quota may be reduced, allowing importers to bring in large quantities of cotton without facing restrictions.

Special Economic Zones (SEZ): Some countries set up SEZs where imported raw materials, including cotton, can be subjected to preferential treatment such as lower customs duties or tax incentives to attract investment and promote manufacturing activities.

Temporary Imports: Importers may benefit from temporary import schemes that allow them to bring in cotton for specific purposes such as processing or manufacturing without paying customs duty or with reduced duty rates. This facilitates value-added production and export-oriented activities.

Customs duty exemptions: Imports of certain types of cotton, such as organic cotton or cotton used for specific industries such as healthcare or research, may be exempted from customs duties to support sustainable practices or specific economic sectors.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 WEEKLY CHART 16.03.2024			
ICE COTTON			
MONTH	08.03.24	15.03.24	WEEKLY CHANGE
MAY	95.28	93.94	-1.34
JULY	93.92	93.59	-0.33
DEC	82.99	83.68	0.69
MCX (COTTON)			
MAR	62600	61400	-1200
MAY	64520	63680	-840
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1647.5	1589	-58.5
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAR	2676	2609	-67
APRIL	2712	2657	-55
MAY	2750	2690	-60
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.78	82.88	0.1
PAK (Pakistani Rupee)	279.261	278.908	-0.353
CNY (Chinese yuan)	7.18548	7.19537	0.00989
BRAZIL (Real)	4.98034	4.99643	0.01609
AUSTRALIAN Dollar	1.50941	1.52372	0.01431
MALAYSIAN RINGGITS	4.68504	4.7044	0.01936
COTLOOK "A" INDEX	101.95	98.45	-3.5
BRAZIL COTTON INDEX	85.05	84.33	-0.72
USDA SPOT RATE	89.74	88.33	-1.41
MCX SPOT RATE	61060	61580	520.00
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	22000	21500	-500
GOLD ($)	2186.20	2159.40	-26.8
SILVER ($)	24.525	25.402	0.877
CRUDE ($)	77.85	81.00	3.15

Stability seen in international cotton market

On the International Cotton Exchange, cotton prices for May 24 and July 24 fell by 1.34 and 0.33 cents, while cotton prices for December 24 increased by 0.69 cents.

In the Indian market, cotton prices on Multi Commodity Exchange (MCX) saw a fall of Rs 1200 and Rs 840 for the months of March and May respectively.

On NCDEX, the price of cotton fell to Rs 58.5 per 20 kg, while the price of cottonseed fell to Rs 67,55 and Rs 60 in the months of March, April and May respectively.

If we look at the cotton market of other countries, a decline was seen in the Cotlook "A" index, USDA spot rate also fell by 1.41 cents while MCX spot rose by Rs 520, while a decline of 0.72 points was recorded on the Brazilian Cotton Index.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91119 77775						
STATE	11.03.24	12.03.24	13.03.24	14.03.24	15.03.24	16.03.24
PUNJAB	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000
HARYANA	3,500	3,500	3,500	3,500	3,500	3,500
UPPER RAJASTHAN	2,500	2,000	1,500	1,500	1,500	1,500
LOWER RAJASTHAN	2,100	2,100	2,100	2,100	2,100	2,100
NORTH ZONE	9,100	8,600	8,100	8,100	8,100	8,100
GUJRAT	24,000	24,000	22,000	23,000	22,000	22,000
MADHYA PRADESH	6,000	5,000	5,000	5,000	5,000	5,000
MAHARASHTRA	23,000	25,000	25,000	28,000	32,000	30,000
CENTRAL ZONE	53,000	54,000	52,000	56,000	59,000	57,000
KARNATAKA	4,000	5,000	5,000	5,000	5,000	5,000
ANDHRA PRADESH	2,500	2,500	2,200	2,000	2,000	2,000
TELANGANA	2,500	2,500	2,500	2,000	2,000	2,000
TAMILNADU	500	400	500	300	200	100
SOUTH ZONE	9,500	10,400	10,200	9,300	9,200	9,100
ODISHA	200	200	200	200	200	200
TOTAL	71,800	73,200	70,500	73,600	76,500	74,400
ARRIVAL IN 170 Kg.						

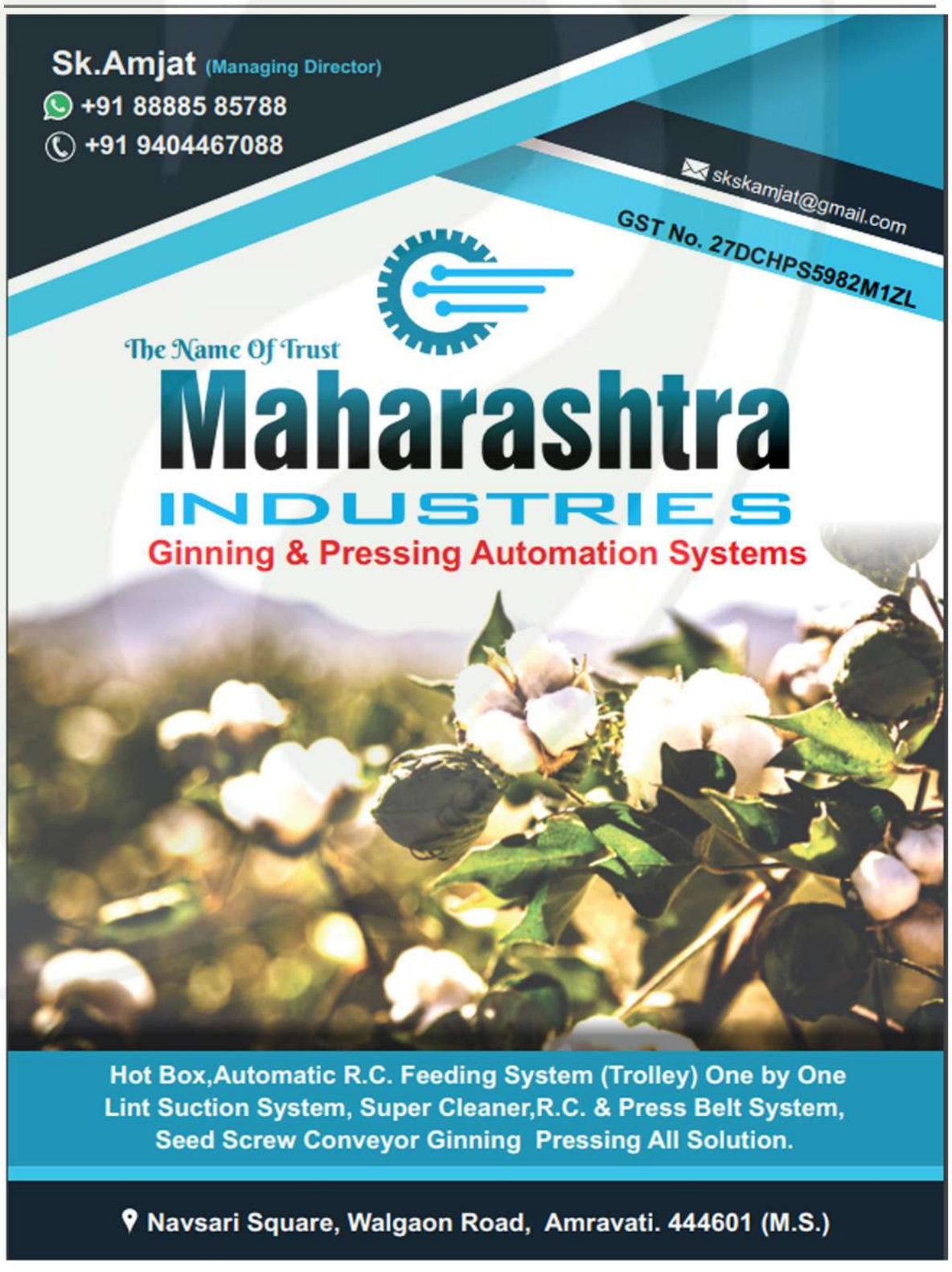

Positive projections CCPC projects growth in Indian cotton industry

The Cotton Production and Consumption Committee (CCPC), a government body comprising various stakeholders of the textile industry including farmers, recently released its report indicating positive trends in cotton production, exports and consumption for the current season (October 2023-September 2024). Estimates have been released. in India. Here is a summary of the main points of the news:

Higher crop estimate CCPC has raised the cotton production estimate for the current season to 323.11 lakh bales (170 kg each) as against the earlier estimate of 316.57 lakh bales. This is in line with the second advance estimate of the Agriculture Ministry.

Production for the previous season reduced In contrast, the CCPC has reduced the production estimate for the previous season to 336.60 lakh bales, down from the earlier estimate of 343.47 lakh bales.

Increased Import: The committee has increased the import estimate for the current season to 14.6 lakh bales, whereas the earlier estimate was 10 lakh bales. However, imports for the current season are unchanged at 12 lakh bales.

Export and Consumption Estimates Export estimates for the current season have been increased to 27 lakh bales from 15.89 lakh bales in the previous season. Including small spinners and non-textiles, consumption is estimated at 317 lakh bales, compared to the earlier estimate of 310 lakh bales.

The opening stock is estimated at 61.16 lakh bales, contributing to the overall supply estimate of 396.27 lakh bales for the current season. The committee has also reduced its estimate of carryover stock to 52.27 lakh bales from earlier 57.65 lakh bales.Market Dynamics Indian cotton has seen an increase in demand due to rising prices at the Intercontinental Exchange (ICE), New York. Domestic prices are currently being quoted at a discount to ICE futures, making Indian cotton more attractive in the market.

These estimates indicate a positive outlook for the cotton industry in India, with higher production, exports and consumption projected for the current season.

To attract the attention of the Government of India

Important information for all ginners/oil millers

This is an important issue regarding the transportation of goods and related insurance. We need to address this matter immediately as it is likely to impact our operations and financial stability.

Presently, many transporters are charging 5% overload based on the passing weight of the truck. They claim that this practice is acceptable according to the Regional Transport Office (RTO), although it is not officially documented. This situation poses a serious risk to our operations, especially in the event of a claim.

If a claim arises, there is a possibility that the surveyor may refuse to pay the claim due to lack of documentation regarding surcharge charges. This can lead to significant financial losses for all parties involved.

Therefore, it is imperative that we take proactive steps to address this issue and protect our interests. We all ginners and oil millers need to find possible solutions.

Together we can work towards finding a solution to this issue and ensure the safety of our investments and assets.

Vipin Aggarwal, Jagdamba Cotfiber
President, Vidarbha Oilmill Association
Advisory Board Member, Vidarbha Cotton Association
President, Arvi Cotton Ginners Association, Arvi, Maharastra

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Government considering reforms in MSME apprenticeship programs
The Government of India is considering various measures to increase apprenticeship training in millions of micro, small and medium enterprises (MSMEs) across the country. These measures include reducing the apprenticeship period from six months to three months, doubling the stipend subsidy for MSMEs to 50%, offering tax incentives for hiring apprentices and providing manpower to MSMEs facing staff shortage. Doing so may include involving the private sector.

Challenges remain: Global cotton prices rise amid uncertainty
Global cotton prices have recently risen, reaching $1 per pound in February 2024, up 8 percent from the previous month. This increase, after a period of stability between 80 – 90 cents, challenges the notion of a post-pandemic "new normal" for cotton prices.

"Maharashtra State Textile Development Corporation (MSTDC): A boost for India's textile sector
The state of Maharashtra in India is merging several textile corporations to form a state-run development organization called Maharashtra State Textile Development Corporation (MSTDC) to promote its textile sector. The objective of this initiative is to provide infrastructural support services to the textile industry similar to the successful Maharashtra Industrial Development Corporation (MIDC).

The recent surge in cotton prices has increased the challenges faced by yarn mills.
It has increased due to weak demand at domestic and global level. This surge, which has seen domestic cotton prices rise by 10-12% in just two weeks, is a cause for concern for the textile industry. The Southern India Mills Association (SIMA) has warned against panic buying as it fears it will further erode profit margins already hit by low demand.

50% production halted in Tamil Nadu's gray fabric industry due to high cotton prices
The surge in cotton prices has forced gray fabric manufacturers in Tamil Nadu to cut production by up to 50% from Friday. In the initial week of February 2024, cotton prices ranged from Rs 58,000 to Rs 59,000 per candy, rising significantly to Rs 62,000 by March 8.

Cotton Physical Market: This week there was a volatile environment in the price of cotton.

This week was bullish for the cotton physical market. In North, South and Central zones, there was a boom and at other times a recession.

In the North Zone, Punjab and Haryana saw an increase of Rs 50 and Rs 25 per maund respectively, while Rajasthan saw a decline of Rs 100 per maund.

An increase of Rs 100 was recorded in the states of Madhya Pradesh and Gujarat in the Central Zone, while a decline of Rs 500 was seen in Maharashtra.

In the South Zone, prices increased by Rs 100 per block in Odisha state. In the states of Andhra Pradesh, Telangana and Karnataka, there was a decline of Rs 500, 200 and 300 respectively.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 16.03.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	11.03.24		16.03.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,050	6,125	6,125	6,175	50
HARYANA	27.5/28	6,050	6,050	6,075	6,075	25
UPPER RAJASTHAN	28	5,850	6,250	5,725	6,150	-100
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	61,000	61,300	61,200	61,400	100
MADHYA PRADESH	29	61,200	61,700	61,300	61,800	100
MAHARASHTRA	29+ vid.	61,500	62,000	61,000	61,500	-500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	62,200	62,300	62,300	62,400	100
KARNATAKA	29 mm	62,000	62,500	61,500	62,000	-500
ANDHRA PRADESH	29	59,000	60,000	58,800	59,800	-200
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	62,200	62,800	62,000	62,500	-300
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						